Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding the sucidie of the student in AIIMS college, Jodhpur.

डॉ. करण सिंह यादव (अलवर): मैडम, राजस्थान में एम्स, जोधपुर में मेरे लोक सभा संसदीय क्षेत्र अलवर के ग्राम सिहाली की प्रथम वर्ष की एक छात्रा रश्मि यादव ने चार दिन पूर्व ही उसमें एडमिशन लिया था और उसने अपने कमरे में फाँसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

उस बच्ची ने जो छोटा-सा एक सुसाइड नोट लिखा है, वह मैं आपके संज्ञान में लाने के लिए मैं उसे सुनाना चाहूंगा - "माँ, पापा, मामा, भाई-बहन, मुझे माफ करना। मैं तुम्हें परेशानी में नहीं डालना चाहती थी। पर, मम्मी, मुझसे सेल्फ-रेस्पेक्ट के बिना नहीं जीया जाता।" वह आगे लिखती है - "Sir, I am sorry. आपने मुझे कुछ ज्यादा सुना दिया कि मैं आपके सामने सॉरी भी नहीं बोल सकी। I am really very very sorry. पर, प्लीज, ऐसा अन्य स्टूडेंट के साथ मत करना। आपका अपना व्यवहार अच्छा होगा, पर आज मेरे साथ अच्छा नहीं हुआ। सर, मेरा स्कूल भी अच्छा था, मुझमें मैनर्स भी है और मम्मी, बड़े लोग अच्छे नहीं होते।"

मैडम, इस बच्ची का जो दर्द है, वह इसमें साफ झलकता है कि कॉलेज के किसी शिक्षक ने अपने शब्दों से, अपने व्यवहार से, अपनी भाषा से इस बच्ची के आत्म-सम्मान को ठेस पहुंचाई है। उसे ठेस लगी, जिसके कारण इस बच्ची ने ऐसा आत्मघाती कदम उठाया। वह पहली बार किसी होस्टल में नहीं गई थी। पहले वह कोचिंग में पढ़ती थी। दो साल वह वेटेनरी कॉलेज में रह कर आई थी।

मैडम, मैं आपका ध्यान एम्स, जोधपुर की तरफ लेकर जाना चाहूंगा, जहां पिछले तीन सालों में तीन सुसाइड्स हुए हैं। मुझे लगता है कि वहां कहीं-न-कहीं जब ये नए बच्चे पढ़ने जाते हैं तो वे घबराए हुए होते हैं। उन्हें अच्छा वातावरण देने की और उनके साथ शालीनता के साथ व्यवहार करने की जरूरत है। अगर वहां पर

कोई अध्यापक इस तरह का व्यवहार करे तो फिर देश के ये कॉलेज कैसे चलेंगे? अतएव, इस अति महिला उत्पीड़न के विषय में मैं कहना चाहूंगा कि इसकी सी.बी.आई. से जाँच कराई जाए। इसे सिर्फ डिप्रेशन का मामला न समझा जाए।

माननीय अध्यक्ष: कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल एवं डॉ. मनोज राजोरिया को डॉ. करण सिंह यादव द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।